प्रेस विज्ञप्ति

स्वस्थ रहने के लिए योग से बढ़कर और कोई उपाय नहीं... डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री

रायपुर, 21 जून: मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यदि हमने जीवन में योग को अपना लिया तो स्वस्थ रहने का इससे अच्छा साधन और कोई नहीं है। दुनिया में शारीरिक और मानसिक बीमारी का ईलाज करने के लिए अनेक बड़ी-बड़ी संस्थाएँ कार्यरत हैं लेकिन मानसिक शान्ति के लिए कोई संस्था नहीं है। शान्ति पाने के लिए योग और अध्यात्म ही एकमात्र रास्ता है।

मुख्यमंत्री प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शान्ति सरोवर में आयोजित राजयोग दिग्दर्शन महासम्मेलन में व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि हजारों सालों से हमारे ऋषि-मुनियों ने जो योग और अध्यात्म का ज्ञान हमें दिया था, आज उसको वैश्विक मान्यता मिली है। योग एक विज्ञान है, जीवन पद्धति है। पहले जब यह हमारे जीवन में समाहित था तो लोग कम बीमार पड़ते थे। उन दिनों आज की तरह इलाज की जरूरत ही नहीं पड़ती थी।

उन्होंने कहा कि आज का दिन हम भारतवासियों के लिए गौरव का दिन है। जब संयुक्त राष्ट्र संघ में हमारे प्रधानमंत्री ने योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा तो विश्व के 177 देशों ने इसे स्वीकार किया। इस प्रकार योग को सारे विश्व की मान्यता मिली। उन्होंने योग दिवस मनाने के प्रति जन भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया में होने वाले किसी भी आयोजन में इतनी बड़ी संख्या में कभी लोगों ने हिस्सा नहीं लिया। यह भी विश्व रिकार्ड है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि वैज्ञानिक दृष्टि से इतनी प्रगति कर लेने के बाद भी हम वापस अपनी पौराणिक योग संस्कृति की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग एक प्रिवेन्टिव मेडिसीन की तरह है।

महासम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक और मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाई जी ने कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना। अध्यात्म के सन्दर्भ में आत्मा और परमात्मा का मिलन ही योग है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आसन या प्राणायाम जरूरी है लेकिन काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों से आत्मा को दूर करने के लिए राजयोग साधना की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे बैटरी को चार्ज करने के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, वैसे ही आत्मा में शक्ति भरने के लिए परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ने की जरूरत है।

इस अवसर पर कृषि एवं जल संसाधन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अध्यात्म की राह पर चलकर ही हमारा देश फिर से विश्व गुरू बन सकता है। एकमात्र अध्यात्म से ही आत्मा को शान्ति मिल सकती है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने योग को पूरे विश्व में जो महत्व दिलाया है, उससे पूरी दुनिया में भारत को एक नई पहचान मिली है।

सम्मेलन को क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्रेषक: मीडिया प्रभाग,
प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, शान्ति सरोवर, रायपुर